

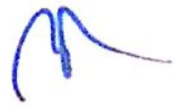
30-7-2015

पञ्जावली अला राजस्व लोक अदालत में पेश की गई।
पार्श्व के वसीयत अर्थात् प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्ट्रार से।
पेरोंकार सरकार नामक तहसीलदार अर्थात् अर्थात्
उभय पक्षों को सुना गया। पञ्जावली शकत 2067-2070
नदरे ग्राम पायगा खाना संख्या 132 में गोलाराम, खाना
संख्या 139 में गिरराज खाना संख्या 166 में गोलाराम,
खाना संख्या 140 में गोलाराम दर्ज हैं।

पार्श्व द्वारा उद्धृत छापा पार्श्व
परिवार राशन कार्ड, आधार कार्ड, परिपत्र पत्र
क्षरपत्र गृह पंजापत पायगा में पार्श्व का नाम
जाल्लाराज माली पुत्र माधो कात्री अंकित है। पेरोंकार
सरकार नामक तहसीलदार अर्थात् से भी अपने जवाब
में अंकित किया है कि विरासत का नामान्तरकरण
दर्ज करते समय पटवारी दल्ला ने लिपिहीन डूल
से पार्श्व का नाम राजस्व रिन्दाई में गलत दर्ज हुआ
है। उपरोक्त विवेचना से यह स्पष्ट हो जाता है कि
पार्श्व का सही नाम जाल्लाराज है। राजस्व रिन्दाई में
अंकित गलत नामों को शुद्ध किया जाना अनिवार्य है।
अतः राजस्व लोक अदालत की भावना के अन्तर्गत
नजर रखते हुए पार्श्व का प्रार्थना पत्र स्वीकार
किया जाता है। तहसीलदार अर्थात् के आदेशों
किया जाता है कि वे ग्राम पायगा तहसील
अर्थात् खाना संख्या 132 में गोलाराम के स्थान
पर जाल्लाराज, खाना संख्या 139 में गिरराज

उप खण्ड अधिकारी
उनियारा जिला बँक

के स्थान पर जल्लाराज, शकाला संख्या 166 में
गिलाराम के स्थान पर जल्लाराज, शकाला संख्या
140 में गिलाराम के स्थान पर जल्लाराज
अंकित कर राजस्व सिन्डिकेट के डुकलस्ट मरी
पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर 16 नम
हो तथा दफ्तर दाखिल हो



उप खण्ड अधिकारी
उन्धारा जिला टोंक